–अणिमा सिंह
20. 5. 67

शिशु गीत और खेल

(22)

[मैथिली लोकगीत मे]

संकलयित्री
डाक्टर प्रोफेसर अणिमा सिंह
लेडी ब्रेबोर्न कालेज,
कलकत्ता



प्रकाशक
मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, ब्रजनाथ मित्र लेन,
कलकत्ता-६

प्रकाशक :

मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड
१४ बी, भजनाथ मित्र लेन,
कलकत्ता-६

मुद्रक :

सिंह प्रेस
१६२/८०, लेक गार्डेन्स,
कलकत्ता-४५

प्रथम संस्करण :
१९६६
१००० प्रति

मूल्य :
६० पैसा

आमुख

मानव जीवन मे शिशु-गीत एवं क्रीड़ा क महत्ता सहजहि बहुत अधिक छैक। बाल-लीला एवं शिशु-विषयक सहज उद्गार सँ पाषाणो हृदय एक बेर आनन्द-विह्वल भ' ज सकैछ। विश्व क कोनो साहित्य एहि रमणीय वातावरण क उपेक्षा नहि क' सकल अछि। सूर-तुलसी आदि श्रेष्ठ कवि लोकनि क बाल-वर्णन देखबे योग्य अछि। किन्तु एतय संगृहीत गीत-माधुरी आन कोनो काव्य मे दुर्लभ अछि। शिशु-विषयक एहन सरस गीत सँ जे कोनो भाषा साहित्य गौरवान्वित भ' सकैछ। लोक-मनीषा द्वारा एकर अनुपम वर्णन भेल अछि।

मैथिली मे केक प्रकार क शिशु-गीत गाओल जाइछ। किछु गीत सँ कननिहार नेना कें चुप करबा क हेल गाओल जाइछ, किछु गीत तखन गाओल जाइछ जखन शिशु खाइत नहि अछि और माय वा आन स्त्री ओकरा फुसला कए खुआबै चाहैत छथि, किछु गीत ओकरा सुखपूर्वक सुतैबाक हेल गाओल जाइछ, जकरा हिन्दी मे 'लोरी' बंगला मे 'घुमपाड़ानी गान' तथा अंग्रेजी मे 'ललाबाइ' कहल जाइत छैक। एकर अतिरिक्त किछु एहनो शिशु गीत भेटैछ, जकरा शिशुक मन बहलाबक हेल स्त्रिगण गाबैत छथि। किछु शिशु गीत मे प्रायः कथात्मकता होइछ, किन्तु ओहि कथात्मकता क निर्वाह नीक जकाँ नहि भ' सकैछ। बीचे मे शृंखला टूटि जाइछ वा उटपुटांग बात आबि जाइछ।

एहि गीत सभक तुक और छन्द-योजना मे प्रचुर लोच पाबैत छी अनेक प्रकार क अंग-संचालन तथा सुन्दर भाव-भंगी क संग अभिव्यक्त होमैवाला गीत बड़ मनोहारी लगैछ। किछु गीत मे गृहस्थी क समस्या क समावेश रहैछ। एहि मे गृहस्थी सँ सम्बन्धि वस्तु सभक तथा परिवार क स्त्री लोकनिक पारस्परिक सम्बन्ध क चुस्त और सुन्दर वर्णन भेटैछ।

खेलथा काल खेलाड़ी सब गीत क उपयोग करैत छथि। एहि गीत सब के खेलाड़ी क मन क उल्लास और उमंग अभिव्यक्ति भेटैछ। खेल क क्रम और विधि क अनुरूपे ओकर छन्द-योजना होइछ। अधिकांश खेल मे गीत क पद बहुत कम होइछ; किन्तु ओहि पद क आवृत्ति विभिन्न रूप मे विभिन्न शारीरिक चेष्टा क प्रदर्शन द्वारा कैल जाइछ। खेल और एतद्विषयक गीत असंख्य अछि।

—अणिमा सिंह

शिशु-गीत

१

अटका—मटका
अजय के सात गो बेटा
एक टा गेल गाय मे
एक टा गेल भैंस मे
एक टा गेल हाथी मे
एक टा गेल घोड़ा मे
एक टा गेल बकरी मे
एक टा गेल छकरी मे
एक टा गेल भेड़ी मे
खिरिया-पुड़िया रिन्हलइ
अपना खेलइ ?
— हँ
हमरा लेल रखलइ ?
बिलाइ खाय गेल
चल गुड़गुड़िया, चल गुड़गुड़िया,
जोकरी सभा गुड़गुड़िया।

२

चान मामू, चान मामू, हँसुआ दे।
सेहो हँसुआ कथी ले ? -- खड़बा कटावे ले।
सेहो खड़बा कथी ले ? -- बंगला छरावे ले।
सेहो बंगला कथी ले ? -- गैया ढुकावे ले।
सेहो गैया कथी ले ? -- चोतबा पुरावे ले।
सेहो चोतबा कथी ले ? -- अंगना निपावे ले।
सेहो अंगना कथी ले ? -- गहूमा सुखावे ले।
सेहो गहूमा कथी ले ? -- मैदबा पिसावे ले।
सेहो मैदबा कथी ले ? -- पुड़िया पकावे ले।
सेहो पुड़िया कथी ले ? -- भौजी के खियावे ले।
सेहो भौजी कथी ले ? -- बेटबा बियावे ले।
सेहो बेटबा कथी ले ? -- गुल्ली-डंटा खेले ले।
गुल्ली-डंटा टुटि गेल, बबुआ रुसि गेल।

३

चान मामू, चान मामू,
आरे आबू, पारे आबू।
नदिया किनारे आबू,
चानी के कटोरिया मे,
दूध-भात लेने आबू।
हमर नुनुबाक मुंह मे घुटुक,

४

चल गे रंकी, दालि दररि ले।
केकरा जांत
छोटका मामू के चकरी।
अटकन देलकैन, मटकन देलकैन,
सब दालि खेलकैन बकरी।
लथे गहूम के लपपच पुरिया,
बाबा बगीचाक आम गे।
खाइ-पी ले गे रंकी नौरिया,
जैबे सिपेहर थाग गे।
माइ ले किनिहे नीक-नीक चुड़िया,
बहिन ले किनिहें दारी गे।
माइ हेरतौ आरी-भारी,
बहिन हेरतौ फुलबाड़ी गे।
दादी हेरतौ खाट तुरैया।
नूनू छौ चौपैगा गे।

५

घुघुआ झूल, मलेल झूल,
कोन गाम झूल, पटना झूल,
पटनाक पिया-पुता बड़ि लटकी।
आँधी आएल, बुन्नी आएल
चम्पा फूल उधियाए गेल
छोड़ी बिच्छी रहि गेल

मामु आवै छै हौदा पर
उतरह मामू खड़ाम पर
बैठह मामू चौका पर
बाबू राम के बेटी
हाथ मे गुलेली
मारै लागल ढ़ौकी
उड़ि गेल पड़ौकी
लव घर लेबह कि पुरान घर ?
लव घर उठो रे उठो
पुरान घर खसो।

६

घुघुआ मूल, मलेल मूल
कोन गाम मूल बेढी मूल
बेढी पिताम्बर नाग की
सोनमनि मा टिक मूला
पोखरि कात कात हिरला लगा
हिरला गेलौ टूटि
नुनु गेलौ रूसि

७

हाथी-हाथी रऽन दे,
बोल टन टन दे।
बड़का-बड़का कान दे,
एसे टा बथान दे।

८

अलिया झूलै, झलिया झूलै,
हमर नुनुवा हुमुचि झूलै।
बाबा के बगिचवा मे,
अमुवा के निचवा मे,
कर-कौं, कर-कौं, झुल्ला,
पैंगा के चिचिल्ला।

९

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास करैला फरै
आमुन गोटी जामुन गोटी
तेतरी सोहाग गोटी
बांस काटै ठाँय ठाँय
नदी गुंगुआयल जाय
कमलक फूल दुनू अलगल जाय
छोटी रानी बड़ी रानी गेली नहाय
कान मंडूक तड़की गेलैन हेराय
आब की पहिरती कौआक ठोर
कौआ ठोर तऽ कारी
आब की पहिरती साड़ी
साड़ी मे तऽ पिलुआ
आब की पहिरती खिलुआ

१०

लाल दीदी गे
की दीदी गे
एक रत्ती छाल्ही चटलिऔ गे
तेहि लै लाल कका मारलकै
आब कोन घर नुकइयो गे
बाबा घर नुकइयो गे
बाबा बड़ चंठलवा गे
बीचे बजार मे खसलहुँ गे
सब बरियतवा हँसलक गे
हमरो मामा हँसलक गे

११

छाता वाला मुनसा के आबै छै?
पहुना आबै छै
नीमक गाछ पर की बजै छै?
बेंग बजै छै
आरे पहुना लड़िकए?
बेंग देबौ लड़ि कए
खइहौ सवादि कए
हुक्का देबौ भरि कए
दम मारिहौ कसि कए

१२

लाल गाछी गेलहुँ
लाल आम पेलहुँ
चोभा लगैलहुँ
बाबा के देलहुँ
बाबा हौ बाघ छै बघिनिया छै
काजर बीजर केने छै
गवेपुर मे की छै
टिकुली सटायल छै
पौती मे की छै
हरमुनिया छै
गहना गुड़िया राखल छै



१३

काजर के कजरौटी बेटी,
हींगुर के मसाल।
तार गाछ देख बेटी,
देख संसार।

१४

अलिया गे, भलिया गे
गोला थरद् खेत खाइ छौ गे
कहाँ गे?— डीह पर गे।
डीहक रखवार के गे? मामू गे

मामू गेलै पुरैनिया गे,
लाल-लाल बिछिया अनलक गे।
कल्हू तर पिन्हैलक गे,
सासु के गोर लगौलक गे,
ननद कें ठुनकैलक गे।

१५

तेल करै चुप चुप
नुनु बाढ़ै लुप लुप
तेली के तेलाय लागै
नुनु के मोटाय लागै
तेली माथा फूटै बेल
नुनु माथा सोखै तेल

१६

चन्दा मामू अओना
घुंघरु बजौना
सोने सरवा
दूध के कटोरवा
चन्दा मामू घुटुक

१७

आको पाको
दिया जराको

सोनक दिया रूपा क बाती
नुनु सुतै सुखक राती
कननी खिझनी पाछु जा
हँसनी खेलनी आगु आ

१८

आहे माहे गोजा रोटी खा हे
मरुआ के रोटी गौरी दाय के बेटी
जाय छैन विदेसी
रंगे रंग ढोल बाजै सुनहु परदेसी

१९

जे हमरा नुनु के नजर लगावै गुजर लगावै
बासी बढ़नी धीपल खपड़ी
तकरा मांग पर मारौं
कैल करतूत डीठ मूठ
नजर गुजर सब चूल्ही मे
पट पटाइ दै

२०

ओर बोर
नुनु जाय मामा कोर

२१

मैना गे तोहर गौना हैतो
हैत न त की

सोलह सौ सुपारी अयतो
आयत न त की
बारह हाथ के साड़ी अयतो
आयत न त की
लयका घर मे फदका करिहै
करय न त की

२२

सुतै सुतै रे नुनु बाल बचना
माइ गेलौ कूटै पीसे बाप गड़ीमान
दादा के केल सनक दादी बदनाम

२३

नुनु खाय दूध भत्ता
बिलैया चाटै पत्ता
जौं जौं पत्ता उधियायल जाय
तौं तौं नुनु रूसल जाय

२४

बाबा हो कका हो सुगा खाइछ' धान हो
होकौ बेटी लछमी
गोड़ मे देबौ पैजनी
चलौ सुभद्रा फूल तोड़ै लै
फूले गाछ तर आयल जमाय
बेटी के लेलको दोली चढ़ाए
जैं जैं बेटी हँकरल जाय
तैं तैं कहरिया पछरल जाय

घर के लागल द्वारी
कनिया पिटैये छाती
चल रे मोकना हाथी
वर बैठल वर तर
कनिया बैठल पीपर तर

२५

अलेल मलेल के जरना
तुलसी फूल के लरना
मामा अवैछौ मामा
कथी पर हाथी पर
उतरौ मामा खड़ाम पर
बैसौ मामा पिढ़िया पर
साठी धान के चूड़ा रे चूड़ा
धेनु भैंस के दूध
मामा खैता दही चूड़ा नुनु खैते जूठ

२६

हाहो रे परवतो सुगा
हमरा खेत मे जइहै सुगा
मामा के खेत जैहै सुगा
एकटा सीस अनिहै सुगा
घोंघा मे भात करिहै सुगा
सितुआ मे माड़ पसैहै सुगा

अपना छीई परतवा मे
तुतु के दीहे कटोरवा मे
तै लै तुतु रूसल जाय
बाबा काका बौंसने जाय
चल रे तुतु हमर खरिहान
खेत मे देबौ एक सूप धान
तेकर किनिहे गूआ पान
पान बला के पाने नहि
तै हमरा नुनू के दाँते नहि

२७

हे गे बिलैया कतय जाइछे ?
माछ मारै।
केना मारबै ? छव्वर छैया।
केना आनबै ? टांगि टूंगि।
केना काटबै ? हँसुआ कचिया।
केना रिन्हबै ? छन्नर पन्नर।
केना खेबै ? नम्मा चौरी।
केना पादबै ? टी टाँय।

२८

एक तारा दू तारा
मनसा गोपाल तारा
मनसा क बेटी बड़ झगराहि

झगड़त झगड़ैत गेल गंगा पार
गंगा मैयो बालू दै
सेहो बालू कनूनिया लै लेल
कनूनिया बेचारी फुटहा देल
सेहो फुटहा चरवाहा लेल
चरवाहा बेचारा दूध देल
सेहो दूध बिलाइ पी गेल
बिलाइ बेचारी मूस देल
सेहो मूस चिल्हा लै गेल
चिल्हा बेचारा पंखा देल
सेहो पंखा मामू के देल
मामू बेचारा घोड़ा देल
मामी एगो छुछियो ने देल

२९

आ रे कुत्ता आइ जो
नगरी डोलाय जो
नगरी मे आगि लागलौ
बाप के बोलाय जो
बाप देलकौ अंगा टोपी मुदरा कै
नाक मे बुलाकी देलकौ तबला कै
साँझ दै गे सँभली बिछौना बिछागे मझली
जौ गहुम कै कटनी धफका मार गे गोतनी

३०

आ रे कुत्ता आ
नंगरी डोला
नंगरी मे आगि लागलौ
बाप के बोला

३१

ननदो दाय गे ननदो दाय
बेटा कानैछौ खोपरी मे
कानै दै जनपिट्टा के
नाचै दै चमरिया के
देखै दै सिपहिया के

३२

अटकन मटकन दहिया चटकन
माघ मास फरै करेला
ओहि करेला क नाम की
आप जाय तेतरी सोहाग
सिद्धी लेबौ कि मंगुरी

३३

हले हले नुनु हले
माइ रुकमिनिया बाप भले
पितिया तोहर राजकुमार
फूफा छ' कलवार के

३४

सुत गे नुनु सुतौनी देबौ
बगरो के टाँग छे कमौनी देबौ

३५

आ आ रे खजन चिड़ैया
अंडा पाड़ि पाड़ि जो
तोरो अंडा आगि लागो
नुनु के आँखि मे नीन

३६

एलमन बेलसन
धोबिया क पाट सन
कुम्हरा क चाक सन
भनसिया क कठौत सन
केरा क थम्ह सन
मोकना बिलार सन
नुनु ननिहर देख
नुनु ददिहर देख

३७

झुझुरकोना

झुझुरकोना झुझुरकोना कोन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।
झुझुरकोना झुझुरकोना कोन कोना जाएब ?
एहि कोना जाएब ?
ऊँ हुँ। ओहि कोना।

३८

रजकोतवाल

हमरा बाड़ी, हमरा बाड़ी के ठनके ?
रजकोतवाल।
की-की मँगैये ?
आरव चाउर नव ढकना,
राजा पठौलन्हि कटहर लै
ई त फूलले अछि
ई त फरले अछि
ई त काँचे अछि
ई पाकल अछि

३९

मैना के बच्चा हिरोलिया रे, टूटा जामुन गिरा
कच्चा गिरैये त मारबो रे, दू गो पक्का गिरा

४०

कबड्डी

चल कबड्डी करिया
पकड़ि ले घरिया
धना दे हरिया
चल कबड्डी हुरँ
चल कबड्डी हुरँ

४१

चल कबड्डी आरल
सुलतानगंज झारल
दिल्ली के पछाड़ल
के नाम लए पुकारल ?

४२

चल कबड्डी टोइयाँ
पटकि दे भुँइयाँ
कनी देख ले रे गुँइयाँ

४३

चल कबड्डी चटका
उठा कए पटका
हुलि दे बे - खटका

४४

मरल कें है, मरे दहो
काशी जी मे जरे दहो

४५

चेत कबड्डी चेतकदार
हाड़ न टूटे खबरदार

४६

तार काटौं तरकुन काटौं
काटौं रे खरबूजा
हाथी पर के ट'न गिरल
ट'न महाराजा

४७

हे राजा !
की परजा ?
तोहर घोड़ा धान किये खेलक' ?
खेबे करत

घोड़ा के बान्हि दिय' कि छोड़ि दिय' ?
बान्हि दिय' ।

४८

घोघो रानी, कतना पानी ?
घुट्ठी तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ठेंगहुन तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
ग'र तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
नाक तक ।
घोघो रानी, कतना पानी ?
माथा तक ।
ई घर काटौं ?
नहि ।
ई घर काटौं
नहि ।

४९

हे बक टेहनो टेहनो टेहनो,
तूं छुपकल छ' केहनो ?
हम छुपकल छी तोरे कांटे लै,
तू लटकल छ' केहनो ?

हम लटकल छी प्रसाद चढ़ै लै
तू हुपकल छौ केहुनो
धक टेहनो टेहनो टेहनो

६०

तारनी बाबू तार कटावै रेल बनावै रेल
रेल चलै धक धक धुइँया फेंकै फक फक
आनापुर मे दाना मिलै भागलपुर मे भात
काशी जी मे डुबकी मारै चल गुरु के साथ

६१

एंग लरी बेंग लरी जमुना लरी
जमुना मे दाल गिरै मामी मरी
मामी के बेटा कूदत खरी
हम दुनू भाय पटना जाय
पटना सँ दू चोली मँगाय
पुतहू पीन्है सासु भमकाय
नदी किनार मे बगुला बैठे
अहरा चुनि चुनि खाय
सिंघी मछलिया काँट चलावै
कलपि कलपि दिन जाय
अगिया अगिया घुरै घोड़ा ने जाय

६२

करिया झुम्मरि

हे मझली,
की छोटकी ?
बड़की कहाँ गेल ?
घाँस काटै।
घाँस मे की ?
पौती।
पौती मे की ?
झरनी।
झरनी मे की ?
ककही।
ककही मे की ?
केस।
केस मे की ?
ढील।
ढील मे की ?
लीख।
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी।

६३

करिया झुम्मरि

पौती मे की ? — झरनी
झरनी मे की ? — कंघी

कंघी मे की ? — केस
केस मे की ? — ढील
ढील मे की ? -- लीख
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी
लीख पटापट मारै छी
करिया झुम्मरि खेलै छी

५४

एनियाँ से बेनियाँ दरभंगा वाली कनियाँ
सेहो कनियाँ मांगै छै लोकनिया हे
कदम जोड़ी फूल
अपन भैया रहितै डोली लागल जैतिहे
पितियौत भैया लागै छै गै-परथा धन हे

५५

आगू आगू कनियाँ लताम खैने जाय
पाछू सँ लोकनिया ठेकान कैने जाय

५६

कनियनि मनियनि झिंगा क भोर
कनियनि माइ के लै गेल चोर
दौड़' हो सहसौरा क लोग

५७

छौड़ा मौड़ा बेंग पकौड़ा,
बेंग के रोटी खो
बाप गेलौ पटना
बन्दूक लै कए जो

५८

दालि दररी मूंग दररी
बाबा पोखरि मे धूम चकरी
भैया पोखरि मे बड़ मछरी

५९

लाल कका हो, लाल गाछी गेलौं
लाल आम पलौं, चोभा लगेलौं
इनार मे ढोल, घन घन बोल
आब नहि जायब पछबरिया टोल
बाघ छै, बघिनिया छै
पौंती मे हरमुनिया छै
बोल हरमुनिया बोल

६०

लाल गाछी गेलौं लाल आम पलौं
पैरा पर कै धैलौं
पैरबा खोधि खोधि खाइबै

अगिला कौआ मूलर मूलर, पछिला कौआ चोर
हमरा मचान पर ऐहे रे कौआ
बाघ छौ बघिनिया छौ
पौंती मे हरमुनिया छौ
सिक्की के डाली चमेली के फूल
राजा बम बम बोल

६१

कौआ रे कक्का, आम दे पक्का
मारबौ चोभक्का दकचल नै, खोधल नै
कांच नै, कचकोहल नै आम दे पक्का,
मारबौ चोभक्का, तब कहबौ कक्का।

६२

हे चुट्टि चुट्टिया, पावनि कहिया ?
दिन राति बीति गेल वल्लब कहिया ?

६३

खजन चिरैती खजन चिरैती कहिया छबान
आइ नहि, काल्हि नहि, परसू छबान

